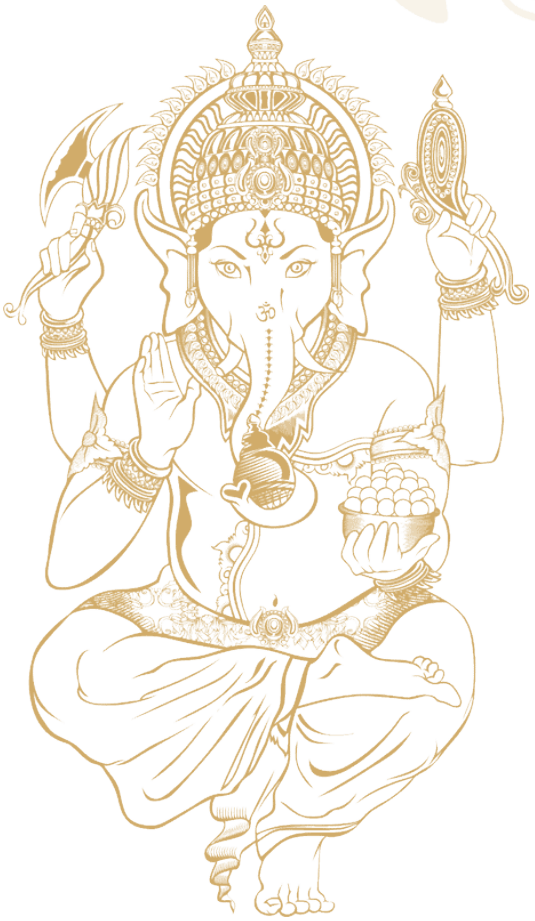

Mr. Akshat

Ms.nivedita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120162728

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/08/1999	जन्म तिथि	26-27/01/2003
सोमवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 19:05:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 32:17:35	जन्म समय(घटी)	56:57:17 घटी
India	देश	India
Mandsaur	स्थान	Khachrod
24:03:00 उत्तर	अक्षांश	23:25:00 उत्तर
75:10:00 पूर्व	रेखांश	75:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:20	स्थानिक संस्कार	-00:28:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:58	सूर्योदय	07:11:24
18:50:46	सूर्यास्त	18:11:04
23:50:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 1वर्ष 11मा 16दि	19:00:34	कुंभ	लग्न	धनु	23:07:38	शनि 17वर्ष 5मा 21दि
शुक्र	12:53:38	सिंह	सूर्य	मक	12:44:29	बुध
16/08/2008	28:27:41	मीन	चंद्र	वृश्चि	04:24:09	19/07/2020
16/08/2028	04:08:22	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	12:26:44	19/07/2037
शुक्र 16/12/2011	04:03:32	सिंह	बुध	धनु	19:22:11	बुध 16/12/2022
सूर्य 15/12/2012	11:05:18	मेष व	गुरु व	कर्क	20:03:02	केतु 13/12/2023
चन्द्र 16/08/2014	27:31:54	कर्क व	शुक्र	वृश्चि	26:35:27	शुक्र 13/10/2026
मंगल 16/10/2015	23:19:54	मेष व	शनि व	वृष	28:52:28	सूर्य 19/08/2027
राहु 16/10/2018	18:55:46	कर्क व	राहु	वृष	13:02:37	चन्द्र 18/01/2029
गुरु 16/06/2021	18:55:46	मक व	केतु	वृश्चि	13:02:37	मंगल 15/01/2030
शनि 16/08/2024	20:05:23	मक व	हर्ष	कुंभ	03:40:09	राहु 03/08/2032
बुध 16/06/2027	08:14:41	मक व	नेप	मक	16:37:01	गुरु 09/11/2034
केतु 16/08/2028	13:55:31	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:13:58	शनि 19/07/2037

लग्न-चलित

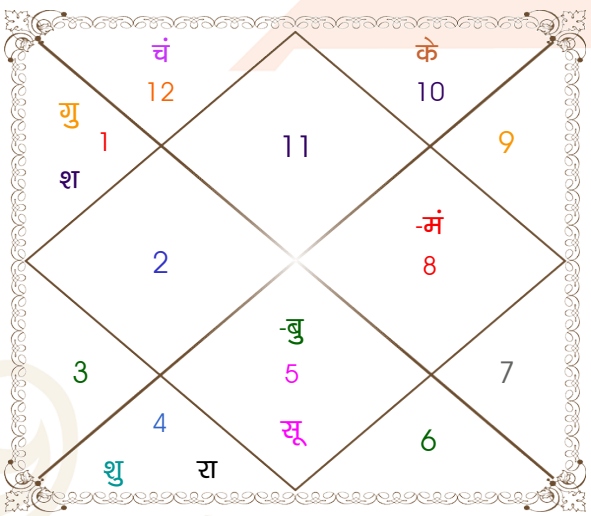

लग्न-चलित

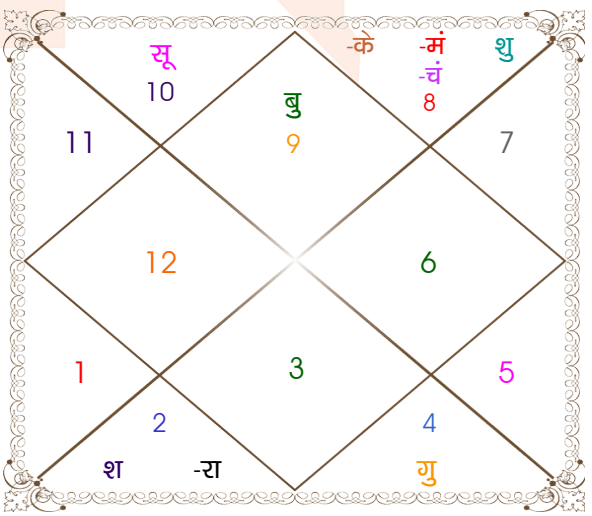

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. Akshat का वर्ग सिंह है तथा Ms.nivedita का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Akshat और Ms.nivedita का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Akshat मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms.nivedita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nivedita कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.nivedita कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms.nivedita कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Akshat कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Akshat तथा Ms.nivedita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।